भजन

ये राज राज का है,सब जान न पाते हैं
मेरे प्राणों के प्रीतम, मेरे दिल में रहते हैं

1– मेरे धनी बिना कोई, न मुझको प्यारा है
मैं किससे कहूं दिल की, यहां कोई नहीं मेरा
बिन कहे मेरे दिल की,सब जान जाते हैं
2– चाहे दुख हो माया का, या बिछड़ी आत्म का
तेरा ही बल है धनी, हम नाम लें किसका
जब जिक्र करें तेरा, दुख दूर होते हैं
3– है तेरी ही मेहर,हम गुण तेरे गायें
जिसे तू चाहे प्रीतम, तेरे चरणों में आये
वो छोड़ चरण तेरे, कहीं दूर न जाते हैं
4– न करनी कुछ मेरी,न रहनी है प्रीतम
बस कहनी ही कहनी, मेरी कहनी है प्रीतम
रहनी में वो आए, जिसे आप चाहते हैं
5– कहने को दिल मेरा,है अर्श पिया तेरा
न इसमें है कोई, तेरा ही बसेरा
जहाँ धनी मेरे तुम हो, सुख सारे रहते हैं
6– मैं आस करूँ किसकी, मेरी आशा है तुमसे
मैं अर्ज करूँ प्रीतम, मेरी अर्जी है तुमसे
हम काम करें वो ही, जो आप चाहते हैं